2016

M.A. 4th Semester

HINDI

PAPER—HIN-401

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित अवतरण में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2

क) उस समय बंग-भंग के विरुद्ध सशस्त्र आन्दोलन शुरू हो गया था, किन्तु मेरे जैसे को उस दुनिया का पता ही कहाँ था ? सुननेवालों में से किसी-किसी को कहते सुना जरूर यह कोई जासूस है । हाँ, जासूस या पागल छोड़ वह तीसरा आदमी हो ही नहीं सकता था ।

ख) मुझे कल्पवास का मोह है, क्योंकि इस थोड़े समय में जीवन का जितना विस्तृत ज्ञान मुझे प्राप्त हो जाता है, उतना किसी अन्य उपाय से संभव नहीं । और जीवन के सम्बन्ध में निरन्तर जिज्ञासा मेरे स्वभाव का अंग बन गई है ।

ग) पानी की धारा पर बहुत देर तक निगाहें गड़ाकर देखते रहने से एक आनंददायक भ्रम होने लगता है । सारा मकान स्टीमर की तरह तैयार हुआ सा लगता है.... ।

घ) आत्मबोध और जगतबोध के बीच ज्ञानियों में गहरी खाई खोदी, पर हृदय ने कभी उसकी परवा न की; भावना दोनों को एक ही मानकर चलती रही ।

2. किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×12

i) 'वैराग्य का भूत' निबंध की मूल संवेदना का विश्लेषण कीजिए ।

ii) 'वैष्णव की फिसलन' निबंध की रचना-दृष्टि पर विचार कीजिए ।

iii) निबन्ध-शैली के आधार पर 'क्रोध' निबंध की समीक्षा कीजिए ।

iv) 'बाढ़: 1975' निबंध व्यापक मानवीय पीड़ाबोध की अकथ कथा है ।'' — प्रमाणित कीजिए ।

—०—